IJRAR.ORG E-ISSN: 2348-1269, P-ISSN: 2349-5138

INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH AND ANALYTICAL REVIEWS (IJRAR) | IJRAR.ORG

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षा के माध्यम से नागरिक जागरूकता का बीजारोपण

आरती गुप्ता

पीएचडी स्कॉलर

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी छतरपुर, (मध्य प्रदेश)

सारांश- भारत में शिक्षा प्रणाली अपने नागरिकों की नागरिक चेतना को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है यह सुनिश्चित करने के लिए पहल की जानी चाहिए की किसी भी छात्र को उनकी सामाजिक, आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना शैक्षिक अवसरों तक पहुंच प्राप्त हो जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक विविधता और राष्ट्रीय पहचान की समझ को बढ़ावा दे। प्रजातांत्रिक नागरिकों को विकसित करने के प्रयास में शिक्षा की भूमिका को कम नहीं आंका जा सकता। लोकतांत्रिक मूल्यों, राष्ट्रीय पहचान और सामाजिक जिम्मेदारी को सिखाने वाली नागरिक शिक्षा सक्रिय और सामाजिक रूप से संवेदनशील व्यक्तियों को पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह शोध पत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के संदर्भ में शिक्षा द्वारा नागरिक शिक्षा की भूमिका की पडताल करता है। जिसमें बताया गया है, कि कैसे शिक्षा नागरिकों को मतदान निर्णय लेने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बना सकती है। किसी भी लोकतान्त्रिक देश में चुनाव एक महापर्व है, जो उसे आधार प्रदान करता है एवं लोकतंत्र की आत्मा को जीवंत बनाये रखता है। भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए वयस्क मताधिकार जागरूकता महत्वपूर्ण है।

मूलशब्द– नागरिक जागरूकता, लोकतांत्रिक प्रक्रिया, भारतीय शिक्षा, मतदान, वयस्क मताधिकार।

प्रस्तावना- नागरिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा अहम भूमिका निभाती है। लोकतांत्रिक सिद्धांतों, राष्ट्रीय पहचान और सामाजिक उत्तरदायित्व की शिक्षा देने वाली नागरिक शिक्षा, सक्रिय और सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्तियों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभरी है। नागरिक शिक्षा का नया प्रतिमान ऐसे नागरिकों के विकास पर जोर देता है, जिन के पास न केवल तथ्यात्मक ज्ञान हो, बल्कि सामाजिक मुद्दों के साथ गंभीर रूप से जुडने और समाधान खोजने में सक्रिय रूप से भाग लेने की क्षमता भी हो, जैसा कि शोध में बताया गया है (Jazzi Marine, 2024 The Importance of Civic Education: Empowering Citizens)। इस बदलाव के लिए स्कूलों में नागरिक शिक्षा प्रदान करने के तरीके में मूलभूत परिवर्तन की आवश्यकता है। शिक्षकों को न केवल सूचनाओं के प्रसारण से आगे बढ़ना चाहिए अपितु ऐसे शैक्षणिक दृष्टिकोणों को बढ़ावा देना चाहिए जो आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान और नागरिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करें(Maharaj, Ahuja, Malhotra,2021)। जांच पद्धति, जो शिक्षार्थियों को नागरिक मुद्दों की जांच और विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित करती है, को इस संबंध में एक प्रभावी रणनीति के रूप में पहचाना गया है। इसी तरह डिजिटल साक्षरता को शामिल करने और सोशल मीडिया प्लैटफ़ॉर्म के उपयोग से छात्रों को समकालीन राजनीतिक और सामाजिक चर्चाओं में शामिल होने के लिए मूल्यवान उपकरण मिल सकते हैं। जो अपने समुदायों और समग्र रूप से राष्ट्र की बेहतरी में योगदान करने में सक्षम होंगे।

नागरिक जागरूकता को उन के अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करने की एक सतत प्रक्रिया है। यह उन्हें अपने समुदायों और देश के भविष्य को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाता है (Jazzi Marine, 2024 The Importance of Civic Education: Empowering Citizens)। नागरिक जागरूकता लोकतंत्र को मजबूत करने, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और समावेशी समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण सोच, समस्या समाधान और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने में मदद करती है। जिससे उन्हें जटिल राजनीतिक मुद्दों को समझने और मूल्यांकन करने में मदद मिलती है। यह नागरिकों को विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं, दलों और उम्मीदवारों का आकलन करने के लिए भी सक्षम बनाता है। जिससे उन्हें सूचित मतदान विकल्प बनाने में मदद मिलती है।

नागरिक शिक्षा के आवश्यक घटक- नागरिक शिक्षा के आवश्यक घटक निम्नलिखित हैं-

- **ज्ञान और समझ**- नागरिकों को अपने अधिकारों कर्तव्यों, और सरकार की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी होनी चाहिए। उन्हें संविधान, कानून और नीतियों की समझ होनी चाहिए। एक जागरूक एवं शिक्षित नागरिक ही वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना का भागीदार होता है। वही अपने समाज की प्रगति का निर्धारक भी होता है।

- **कौशल**- नागरिकों में महत्वपूर्ण सोच,समाधान समस्या और संचार कौशल होने चाहिए। उन्हें जानकारी का विश्लेषण करने, तर्कसंगत निर्णय लेने, और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने में सक्षम होना चाहिए।

- **मूल्य और दृष्टिकोण**- नागरिकों में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास होना चाहिए।

"लोकतांत्रिक स्वभाव" जो इसी भावना को दर्शाता है। नागरिकों को सामाजिक न्याय, समानता और बंधुत्व के प्रति प्रतिबद्ध भी होनी चाहिए।

क्रियान्वयन- नागरिक शिक्षा केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। नागरिकों को अपने समुदायों और देश के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। इसमें मतदान, स्वयंसेवा और सामाजिक आंदोलनों में भागीदारी शामिल हो सकती हैं (Albulescu & Albulescu, 2015)।

नागरिक शिक्षा की आवश्यकता- नागरिक शिक्षा की आवश्यकता कई कारणों से है, जो दिए गए बिंदुओं से भी स्पष्ट होती है-

- **जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण**- नागरिक शिक्षा लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करती है। जिससे वे जिससे वे जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। यह उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भाग लेने, अपनी आवाज उठाने और समाज के विकास में योगदान करने के लिए तैयार करती है।

- **मजबूत लोकतंत्र का निर्माण**- जागरूक नागरिक लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। भ्रष्टाचार को रोकते हैं और नीति निर्माण मे भाग लेते हैं (Rehman, Z. U., & Naz, S. 2022)।

- **सामाजिक समस्याओं का समाधान**- नागरिक शिक्षा लोगों को सामाजिक समस्याओं के बारे में जागरूक करती है और उन्हें समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती है। यह उन्हें आलोचनात्मक सोच समस्या-समाधान और सहयोग जैसे कौशल विकसित करने में मदद करती है।

- **विविधता का सम्मान**- नागरिक शिक्षा लोगों को विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों, और विचारधाराओं का सम्मान करना सिखाती है। यह सहिष्णुता और आपसी समझ को बढ़ावा देती है। जिससे एक समावेशी समाज का निर्माण होता है।

- **राष्ट्रीय एकता**- नागरिक शिक्षा लोगों में राष्ट्रीय पहचान और देशभक्ति की भावना का विकास करती है। यह उन्हें देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में मदद करती है।

"लोकतांत्रिक स्वभाव" जो नागरिक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। यह स्वभाव सहिष्णुता विविधता का सम्मान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की इच्छा को दर्शाता है। डिजिटल साक्षरता और सोशल मीडिया का उपयोग भी नागरिक शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह युवाओं को समकालीन मुद्दों से जुडने और अपनी आवाज उठाने का मंच प्रदान करता है।

नागरिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की क्या भूमिका है ?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० नागरिक शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालाँकि यह स्पष्ट रूप से "नागरिक शिक्षा" शब्द का उपयोग नहीं करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के कई प्रावधान नागरिकता के मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और सक्रिय नागरिकता को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं।

मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता पर जोर देती है, जो जागरूक नागरिकता के लिए आवश्यक नींव हैं।

अनुभवात्मक शिक्षा- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० अनुभवात्मक शिक्षा, प्रायोगिक शिक्षा और कला एकीकृत शिक्षा को बढ़ावा देती है। ये तरीके नागरिक जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

मूल्य आधारित शिक्षा- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० नैतिक तर्क, सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा, और मूल्य आधारित शिक्षा पर जोर देती है। यह नागरिकों में सहिष्णुता, समानता और न्याय जैसे मूल्यों का विकास करती है।

सामुदायिक जुड़ाव- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० स्कूलों को समुदायों से जोड़ने पर जोर देती है। इससे विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की सामाजिक समस्याओं से रूबरू होने और उनके समाधान में योगदान करने का अवसर मिलता है।

नागरिक शिक्षा और प्रौद्योगिकी- आज नागरिकता खुशी से सह-अस्तित्व में है और प्रौद्योगिकी द्वारा आकार दी गई है। डिजिटल नागरिकता और लोकतांत्रिक नागरिकता इस बात पर करीब से संबंधित हैं कि इस ज्ञान में कैसे महारत हासिल की जाती है और इस रिश्ते को मूल्यवान बनाने के लिए इसका अभ्यास कैसे किया जाता है (Dode & Dode, 2015)।

बहु-विषयक दृष्टिकोण- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० एक बहु-विषयक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है जो विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को समझने में मदद करता है। हालाँकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० नागरिक शिक्षा के लिए एक स्पष्ट ढाँचा प्रदान नहीं करती है, लेकिन इसके कई प्रावधान नागरिक जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह शिक्षा प्रणाली को ऐसे नागरिक तैयार करने में मदद करेगी जो लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हों, सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशील हों, और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएँ (Nurdin, E. S.2015)। आने वाला युग नागरिक शिक्षा के नए प्रतिमान स्थापित करने पर जोर देता है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के उद्देश्यों के अनुरूप है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० ऐसे युवा नागरिकों के निर्माण में सहायक होगी जो भावी भारत के निर्माता होंगे। वे न केवल भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित करेंगे अपितु विश्व पिता के रूप में भी उभारने में सहायक होंगे।

नीतियाँ-अनुशंसाएँ- इसके कई प्रावधान नागरिक जागरूकता और सक्रिय नागरिकता के विकास में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान करते हैं। यदि राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में नागरिक शिक्षा और जागरूकता को और सुदृढ़ करना हो तो निम्नलिखित नीतियों और अनुशंसाओं पर विचार किया जा सकता है-

- **नीतियाँ**-
  - **नागरिक शिक्षा का एक समर्पित पाठ्यक्रम**- स्कूली पाठ्यक्रम में नागरिक शिक्षा को एक अलग विषय के रूप में शामिल किया जा सकता है,जिसमें लोकतांत्रिक सिद्धांतों, अधिकारों और कर्तव्यों, सामाजिक न्याय, और विविधता जैसे विषयों को शामिल किया जाए। जो तथ्यात्मक ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर गंभीर रूप से विचार करने की क्षमता पर जोर देता है।
  - **अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा**- छात्रों को वास्तविक जीवन के अनुभवों, जैसे सामुदायिक सेवा, स्थानीय शासन में भागीदारी, और सामाजिक मुद्दों पर वाद-विवाद, के माध्यम से नागरिकता के मूल्यों को सीखने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए।
  - **शिक्षक प्रशिक्षण**- शिक्षकों को नागरिक शिक्षा के सिद्धांतों और शिक्षण पद्धतियों में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, ताकि वे छात्रों में आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और नागरिक जुड़ाव को बढ़ावा दे सकें।

- **डिजिटल साक्षरता और सोशल मीडिया का एकीकरण**- छात्रों को डिजिटल साक्षरता और सोशल मीडिया के उपयोग के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए, ताकि वे जानकार नागरिक बन सकें और ऑनलाइन प्लैटफ़ॉर्म पर जिम्मेदारी से भाग ले सकें ।

- **अनुशंसाएँ**-

  - **पाठ्यक्रम विकास में विशेषज्ञों की भागीदारी**- नागरिक शिक्षा पाठ्यक्रम के विकास में शिक्षाविदों, नागरिक समाज, संगठनों और सरकारी अधिकारियों सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल किया जाना चाहिए।

  - **नियमित मूल्यांकन और समीक्षा**- नागरिक शिक्षा कार्यक्रमों का नियमित मूल्यांकन और समीक्षा की जानी चाहिए ताकि उनकी प्रभावशीलता का आकलन किया जा सके और आवश्यक सुधार किए जा सकें।

  - **साझेदारी और सहयोग**- स्कूलों, समुदायों, और सरकारी एजेंसियों के बीच साझेदारी और सहयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि नागरिक शिक्षा के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया जा सके।

  - **माता-पिता और समुदाय की भागीदारी**- नागरिक शिक्षा में माता&पिता और समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि छात्रों को घर और समुदाय दोनों जगहों पर नागरिकता के मूल्यों को सीखने का अवसर मिले।

इन नीतियों और अनुशंसाओं को लागू करके राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के ढांचे के भीतर नागरिक शिक्षा और जागरूकता को मजबूत किया जा सकता है और ऐसे नागरिकों का निर्माण किया जा सकता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हों, सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशील हों, और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

निष्कर्ष- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के कई प्रावधान नागरिक जागरूकता और सक्रिय नागरिकता के विकास में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० का फोकस समग्र शिक्षा पर है, जिसमें आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल का विकास शामिल है, जो सभी प्रभावी नागरिकता के लिए आवश्यक हैं। हालाँकि, नागरिक शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के ढांचे के भीतर कुछ विशिष्ट नीतियों और अनुशंसाओं पर विचार किया जा सकता है, जैसे कि एक समर्पित पाठ्यक्रम, अनुभवात्मक शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल साक्षरता का एकीकरण।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० नागरिक शिक्षा के लिए एक अवसर प्रदान करती है लेकिन इसके पूर्ण लाभ उठाने के लिए और अधिक केंद्रित प्रयासों की आवश्यकता है। हमें ऐसे नागरिकों का निर्माण करना होगा जो न केवल अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक हों, बल्कि सामाजिक समस्याओं का समाधान खोजने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए भी तैयार हों।

संदर्भ-

- Albulescu, M., & Albulescu, I. (2015). Overtones in Contemporary Educational Theory and Practice: Education for Democratic Citizenship. In Procedia - Social and Behavioural Sciences (Vol. 209, p. 96). Elsevier BV.
- Nurdin, E. S. (2015). The Policies on Civic Education in Developing National Character in Indonesia. In International Education Studies (Vol.8,Issue 8). Canadian Centre of Science and Education.
- Rehman, Z. U., & Naz, S. (2022). Citizenship Characteristics and its Education at University Campuses: A Viewpoint of University Students. In Global Sociological Review (p. 91).
- Jazzi Marine, (2024) The Importance of Civic Education: Empowering Citizens.
- Dode & Dode, (2015) The Values of Civic Education through Information Technology
- Maharaj, Ahuja, Malhotra, (2021) Implementation of National Education Policy (NEP) 2020 of India: A Perspective on Pedagogy from Bhagwad Gita.